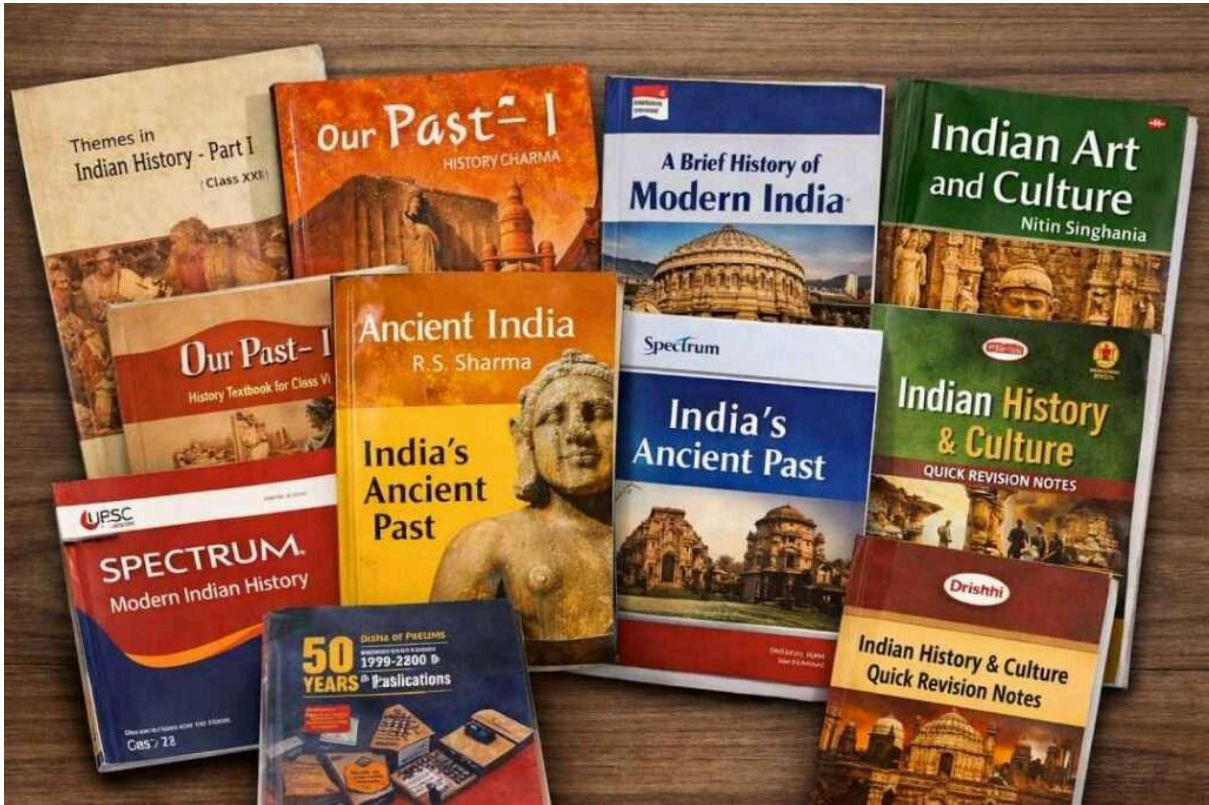


पाषाण युग - पुरापाषाण नोट्स Best PDF + PYQ | UPSC 2026

प्रयुक्त स्रोत (Sources Used)

इस लेख में निम्नलिखित मानक स्रोतों का उपयोग किया गया है:

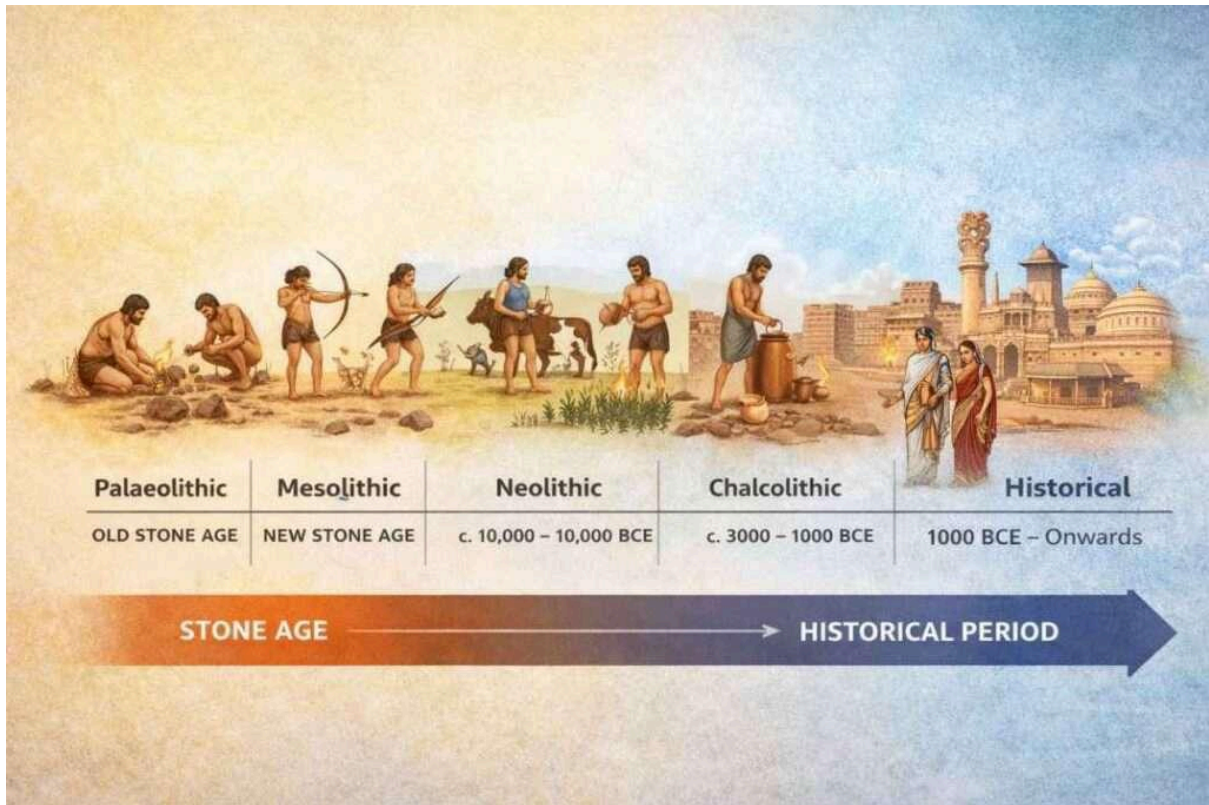
1. **NCERT** (पुराना और नया) : कक्षा VI (हमारा अतीत-I) और कक्षा XI (प्राचीन भारत - R.S. Sharma) ।
2. **स्पेक्ट्रम (Spectrum)** : प्राचीन भारत का इतिहास, पाषाण युग पर अध्याय।
3. **PIB** (प्रेस इंफॉर्मेशन ब्यूरो) : वर्ष 2025 में प्रकाशित पुरातात्विक खोजों से संबंधित रिपोर्टें।
4. **टेस्टबुक (Testbook)** : प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु तथ्यात्मक डेटा।
5. **विकिपीडिया (Wikipedia)** : सामान्य परिभाषाओं और काल-निर्धारण हेतु।



1. परिचय (Introduction)

पाषाण युग - पुरापाषाण मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे लंबा और नींव रखने वाला कालखंड है। यह वह युग था जब मनुष्य ने पत्थरों से औजार बनाना सीखा और धीरे-धीरे एक खानाबदोश जीवन से स्थायी कृषि समाज की ओर कदम बढ़ाया। पाषाण युग (**Palaeolithic Age**) इस युग का सबसे प्रारंभिक और व्यापक चरण है, जिसमें मानव के विकास की लंबी यात्रा शामिल है। UPSC की दृष्टि से यह विषय अत्यंत प्रासंगिक

है, क्योंकि प्रागैतिहासिक काल को समझे बिना प्राचीन भारतीय इतिहास की आधारशिला को नहीं समझा जा सकता।



2. पाषाण युग - पुरापाषाण का अर्थ और परिभाषा (Meaning & Definition of Stone Age)

पाषाण युग - पुरापाषाण , मानव प्रागैतिहासिक विकास की वह अवधि है, जब मनुष्य मुख्यतः पत्थर से बने औजारों और हथियारों का उपयोग करता था। यह काल लगभग 2.5 से 3.4 मिलियन वर्ष पहले शुरू हुआ और लगभग 4,000 से 6,000 वर्ष ईसा पूर्व तक रहा, जिसके बाद धातुओं (तांबा, कांस्य) के उपयोग की शुरुआत हुई। 'पाषाण' शब्द का अर्थ 'पत्थर' है, और इस युग के दौरान ही मानव ने आग की खोज, भाषा के विकास, और कला के प्रारंभिक रूपों (शैलचित्रों) की नींव रखी।

पुरापाषाण, मध्यपाषाण और नवपाषाण काल के औजारों में अंतर

पुरापाषाण काल (Palaeolithic Age)	मध्यपाषाण काल (Mesolithic Age)	नवपाषाण काल (Neolithic Age)
		
हस्त कुठार (Hand Axe)	खुरचनी (Scraper)	माइक्रोलिथ (Microliths)
• पुरापाषाण काल (Hast Kutaar) (Hand Axe)	• मध्यपाषाण काल (Khurchani) (Scraper)	• नवपाषाण काल (Microlith)
पुरापाषाण काल: बड़े और मोटे औजार मध्यपाषाण काल: छोटे और महीन औजार नवपाषाण काल: धिसे-चमकाए पाषाण औजार		
पुरापाषाण काल: बड़े और मोटे औजार → मध्यपाषाण काल: धिसे-चमकाए पाषाण औजार		

3. पाषाण युग - पुरापाषाण का ऐतिहासिक वर्गीकरण (Historical Classification of Stone Age)

पुरातत्वविदों ने पाषाण युग को औजारों की बनावट, जलवायु परिवर्तन और जीवनशैली के आधार पर तीन मुख्य भागों में विभाजित किया है:

कालखंड	समय अवधि	मुख्य विशेषताएँ
पाषाण युग - पुरापाषाण (Paleolithic Age)	5,00,000 ई.पू. - 10,000 ई.पू.	खुरदरे पत्थर के औजार (हस्त कुठार, खुरचनी); शिकारी-संग्राहक जीवन; आग का ज्ञान; बर्फ युग (प्लीस्टोसीन काल)।
मध्यपाषाण काल (Mesolithic Age)	10,000 ई.पू. - 6,000 ई.पू.	सूक्ष्म पत्थर के औजार (माइक्रोलिथ); शैलचित्रों का विकास; जलवायु में सुधार; पशुपालन की शुरुआत।
नवपाषाण काल (Neolithic Age)	6,000 ई.पू. - 1,000 ई.पू.	पॉलिश किए गए पत्थर के औजार; कृषि क्रांति; स्थायी ग्रामीण बस्तियाँ; मिट्टी के बर्तन।

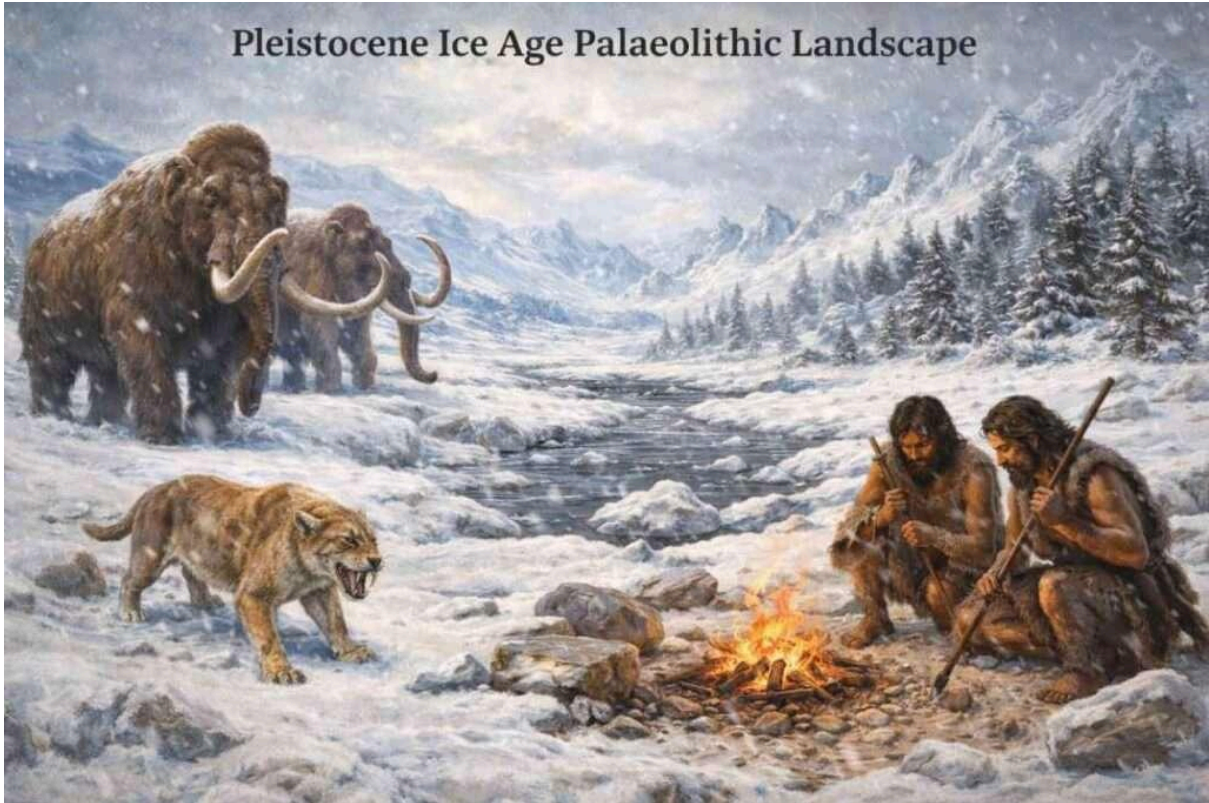
पुरापाषाण, मध्यपाषाण और नवपाषाण काल की तुलना

तुलना के आधार	पुरापाषाण काल (Palaeolithic Age)	मध्यपाषाण काल (Mesolithic Age)	नवपाषाण काल (Neolithic Age)
			
समय	लगभग 30,00,000 ई. पू. - 10,000 ई. पू.	लगभग 10,000 ई. पू. - 6,000 ई. पू.	लगभग 6,000 ई. पू. - 2,000 ई. पू.
मुख्य विशेषता	मानव का प्राचीनतम और आरंभिक चरण	परिवर्तन काल, शिकार से भोजन संग्रह तक	कृषि, पशुपालन और स्थायी जीवन की शुरुआत
जीवन शैली	घुमक्कड़ (Nomadic)	अर्ध-घुमक्कड़ (Semi-nomadic)	स्थायी (Settled)
आहार	मांसाहारी, फल, कंद-मूल	शिकार, मछली, फल, कंद-मूल	अनाज, दालें, फल, दूध, पशु उत्पाद
उपकरण	मोटे और भारी पाषाण उपकरण	छोटे और महीन पाषाण उपकरण	घिसे-चमकाए हुए पाषाण उपकरण
आवास	गुफाएँ और शैलाश्रय	अस्थायी झोपड़ियाँ, टेंट	स्थायी घर, मिट्टी/ईंट से बने
अर्थिक गतिविधि	शिकार और भोजन संग्रह	शिकार, मछली पकड़ना, भोजन संग्रह	कृषि, पशुपालन, मुदम्रांड निर्माण
कला	गुफा चित्रकला (भिम्बेटका, लास्को)	शैलचित्र (सरल आकृतियों)	मिट्टी के बर्तन, मूर्तियों, अलंकरण
धार्मिक विधास	प्रकृति-पूजा, जादू-टोना	पुर्वज-पूजा, टोटेमवाद	प्रकृति-पूजा, मातृ-देवी की पूजा
उदाहरण स्थल	भिम्बेटका, सोहन घाटी, नर्मदा घाटी	बागोर, भीमबेटका, लंगहनज	मेहरगढ़, चिरांद, बुर्जुहोम

संक्षेप में: पुरापाषाण (शिकार) → मध्यपाषाण (संकमण) → नवपाषाण (कृषि और स्थायित्व)

4. पाषाण युग - पुरापाषाण (Paleolithic Age) - "पुराना पाषाण युग"

पुरापाषाण काल (Palaeolithic) का शाब्दिक अर्थ है 'पुराना पाषाण युग' (Old Stone Age)। यह पाषाण युग का सबसे लंबा चरण है, जिसमें मानव विकास के 99% से अधिक समय को शामिल किया गया है। इस काल के मानव प्लीस्टोसीन (Pleistocene) या हिमयुग (Ice Age) के दौरान रहते थे। पुरापाषाण काल को औजारों के विकास के आधार पर तीन उप-अवधियों में बाटा गया है:



- निम्न पुरापाषाण काल (**Lower Paleolithic Age - 5,00,000 ई.पू. से 1,00,000 ई.पू.**) : इस काल में हस्त कुठार (**Handaxe**) और कुल्हाड़ी (**Cleaver**) जैसे बड़े औजार प्रमुख थे। प्रमुख स्थल: सोहन घाटी (पाकिस्तान), भीमबेटका (म.प्र.)। हाल ही में, दिल्ली के पास मंगर बानी में पाँच लाख साल पुरानी एक औजार-निर्माण कार्यशाला (**Tool-making workshop**) मिली है, जो उत्तरी भारत में निम्न पुरापाषाण काल के अस्तित्व का प्रमाण है।

निम्न पुरापाषाण काल के हस्त कुठार और कुलहाड़ी



Hand Axe
(Hast Kutaar)



Chopper
(Kulhaadi)

- मध्य पुरापाषाण काल (**Middle Paleolithic Age - 1,00,000 ई.पू. से 40,000 ई.पू.**) : इस काल में फ्लेक्स (**Flakes**) से बने छोटे औजार, जैसे खुरचनी (**Scrapers**) और भाले (**Points**), विकसित हुए। प्रमुख स्थल: नेवासा (महाराष्ट्र), बेलन घाटी (उ.प्र.)।

Mesolithic Flake Tools and Scraper

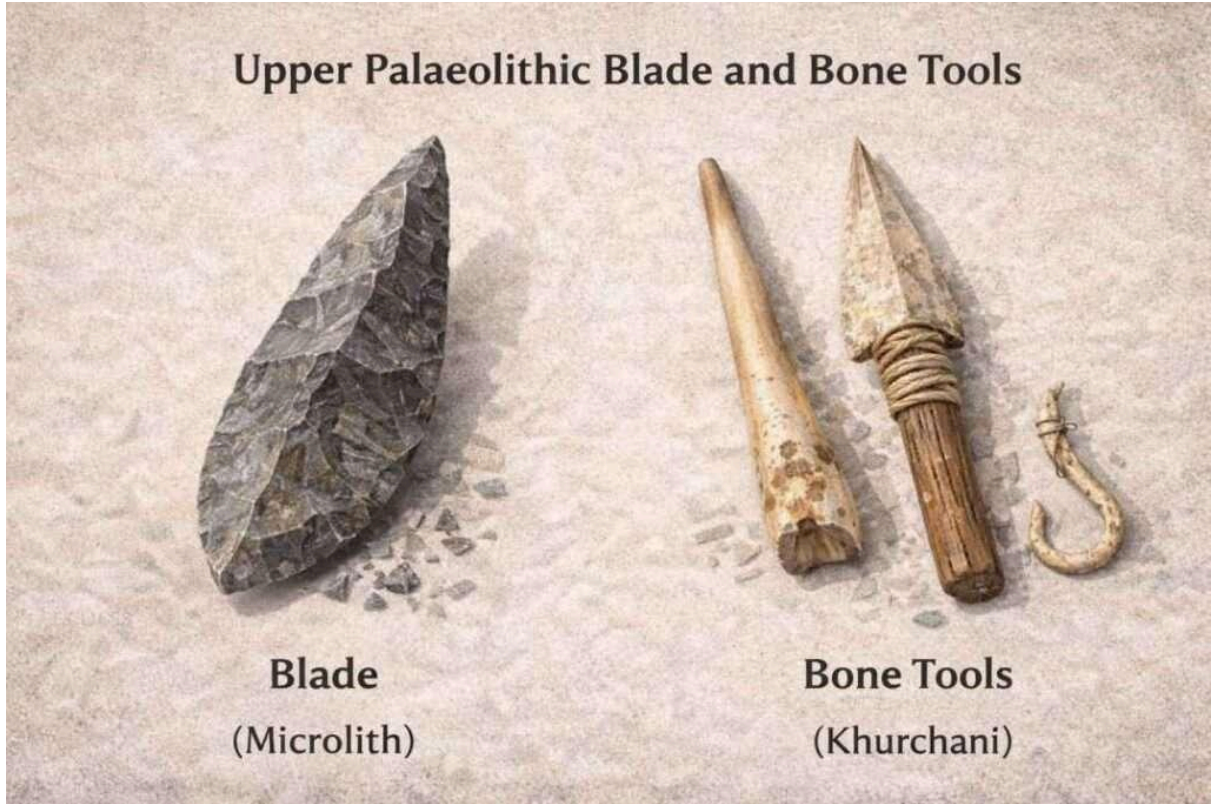


Flake
(Microlith)



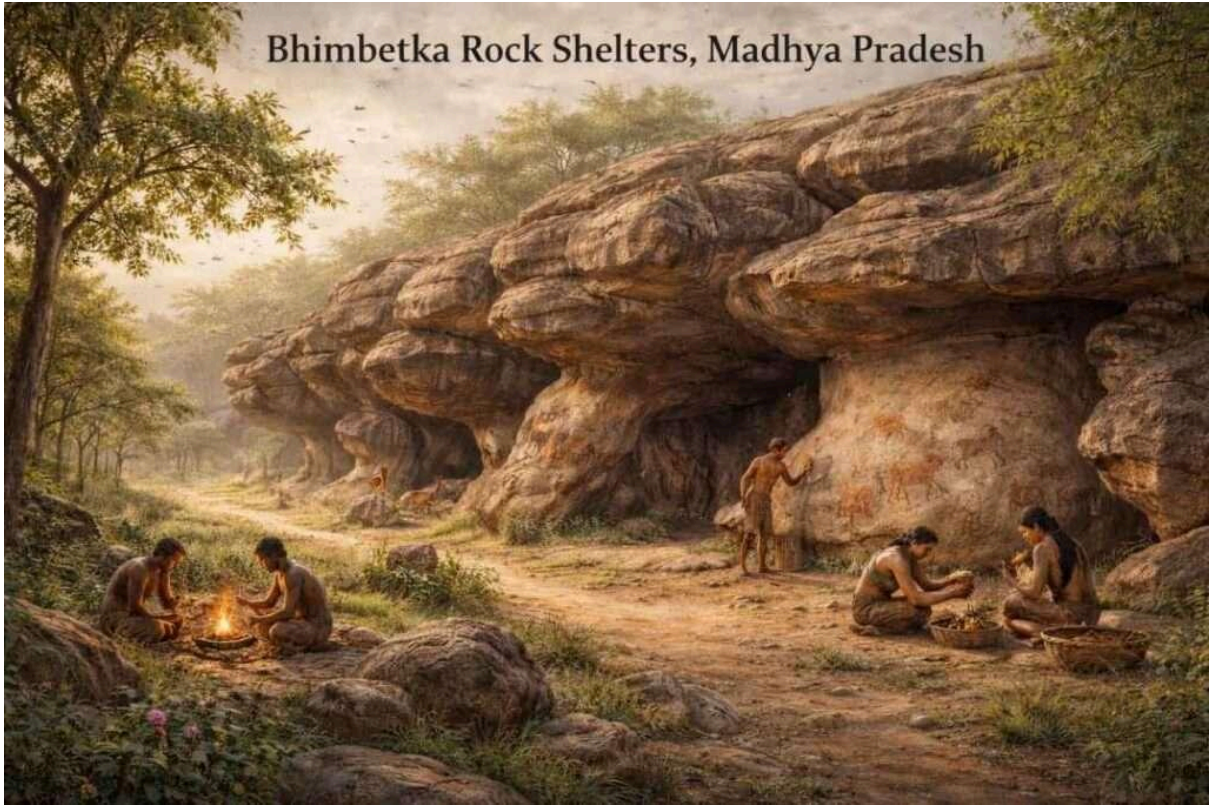
Scraper
(Khurchani)

- उच्च पुरापाषाण काल (**Upper Paleolithic Age - 40,000 ई.पू. से 10,000 ई.पू.**) : इस काल ने ब्लेड (**Blades**) और हड्डी के औजारों (**Bone tools**) के विकास को चिह्नित किया। साथ ही, शैलचित्रों (**Rock Paintings**) की शुरुआत भी इसी काल में हुई।



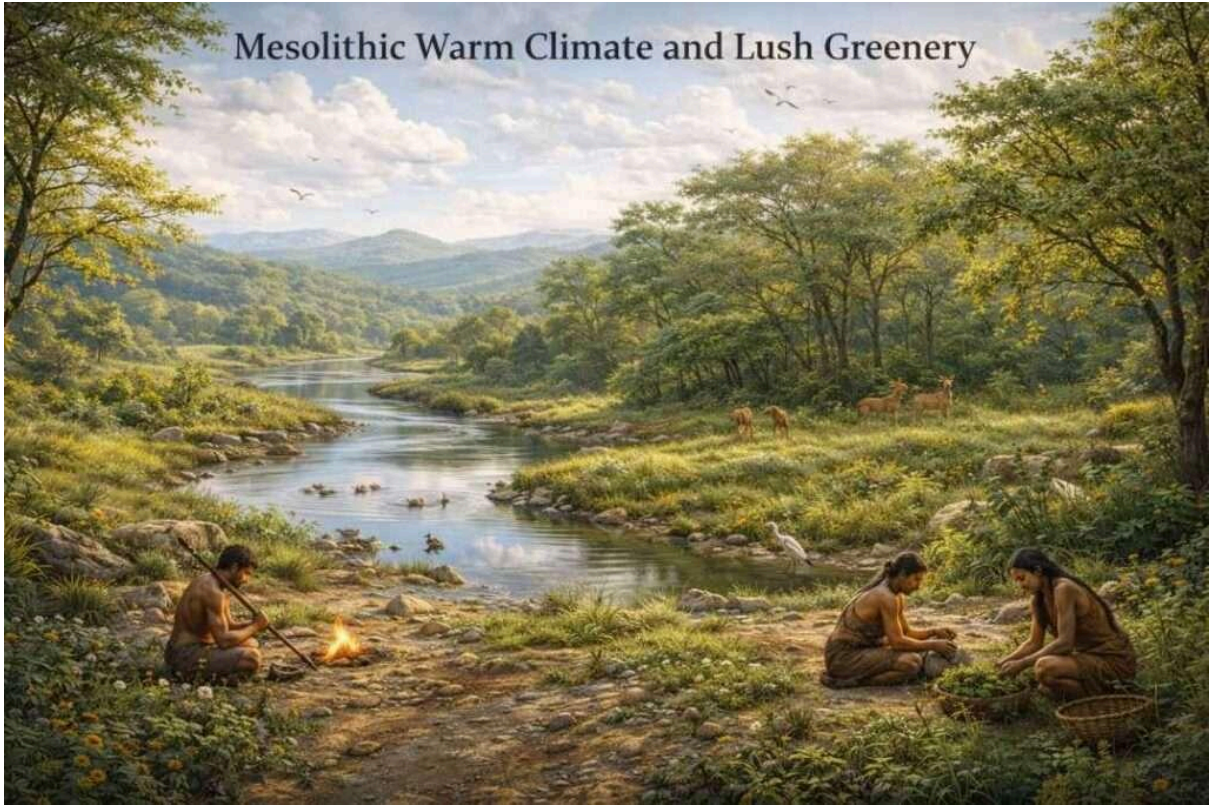
पाषाण युग - पुरापाषाण की मुख्य विशेषताएं (**Key Features**):

- जीवनशैली: शिकारी-संग्राहक (**Hunter-gatherers**), खानाबदोश, छोटे समूहों में रहना।
- औजार: क्वार्टजाइट (Quartzite) जैसे कठोर पत्थरों से बने खुरदरे औजार।
- अन्य जानकारी: आग की खोज हो चुकी थी। कपड़े और आश्रय के लिए जानवरों की खाल का उपयोग करते थे।
- प्रमुख स्थल: भीमबेटका (म.प्र.), हुंसगी (कर्नाटक), कुलिआना (ओडिशा), सोहन घाटी (पंजाब)।



5. मध्यपाषाण काल (Mesolithic Age) - "मध्य पाषाण युग"

मध्यपाषाण काल (Mesolithic) पाषाण युग - पुरापाषाण और नवपाषाण काल के बीच का एक संक्रमणकाल है। इस काल में हिमयुग (Ice Age) समाप्त हो गया, जिससे जलवायु में गर्माहट आई। इस जलवायु परिवर्तन ने वनस्पतियों और जीवों में विविधता ला दी।



मध्यपाषाण काल की मुख्य विशेषताएं (Key Features):

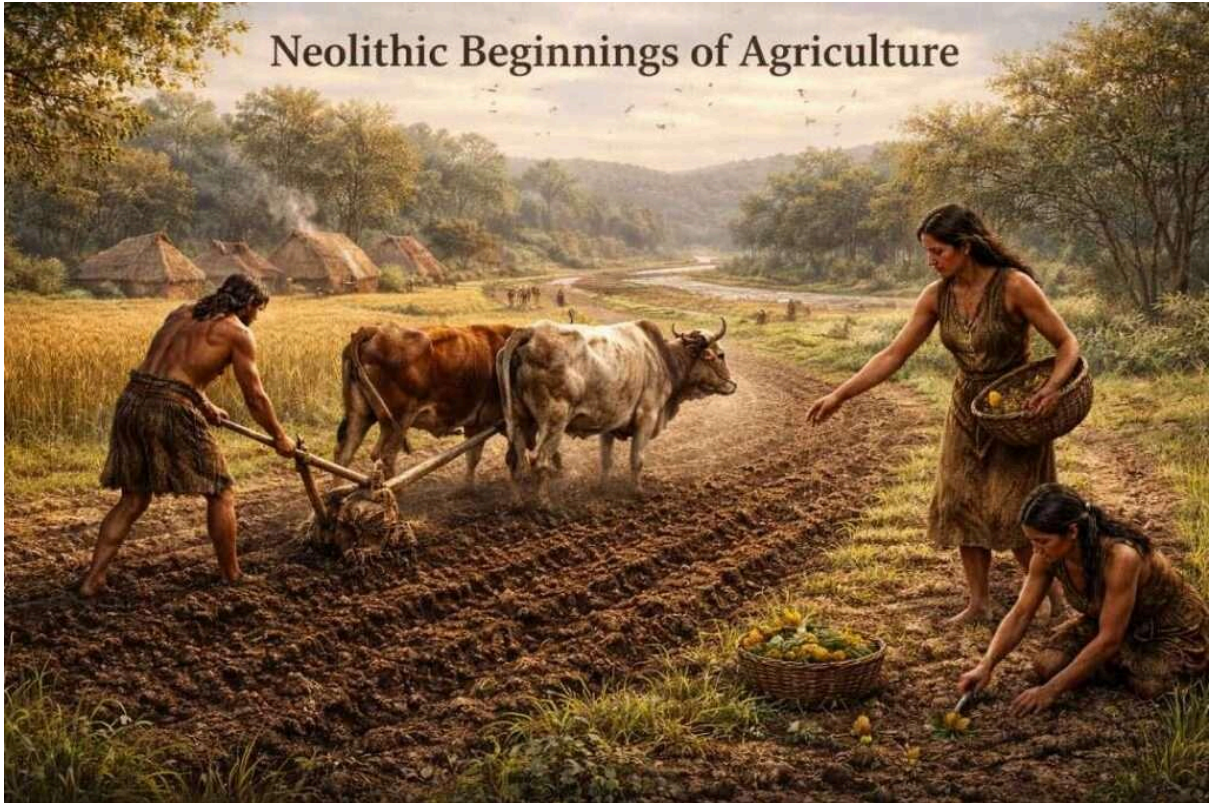
- औजार: इस काल की सबसे बड़ी देन माइक्रोलिथ्स (**Microliths**) का विकास है, जो बहुत छोटे, तीक्ष्ण पत्थर के औजार होते थे। इन्हें तीरों (Arrows) और भालों (Spears) के अग्रभाग के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।
- आर्थिक गतिविधियाँ: शिकार और संग्रह के साथ-साथ मत्स्य पालन (**Fishing**) और पक्षी शिकार (**Bird Hunting**) भी शुरू हो गया था।
- पशुपालन: कुछ जानवरों (जैसे कुत्ता) को पालतू बनाने के प्रमाण मिले हैं।
- कला: इस काल के शैलचित्र (**Rock Paintings**) अधिक विकसित और विविधतापूर्ण हैं। भीमबेटका में मिले अधिकांश चित्र इसी काल के हैं।
- प्रमुख स्थल: बागोर (राजस्थान), भीमबेटका (म.प्र.), सराय नाहर राय (उ.प्र.), लखनियारी (बिहार)।

Mesolithic Microlith Tools



6. नवपाषाण काल (Neolithic Age) - "नया पाषाण युग"

नवपाषाण काल (Neolithic) मानव इतिहास का सबसे बड़ा मोड़ था, जिसे "नवपाषाण क्रांति" (Neolithic Revolution) के नाम से भी जाना जाता है। यह वह समय था जब मनुष्य ने भोजन उपजाना (Food-producing) शुरू किया, न कि केवल संग्रह करना।



नवपाषाण काल की मुख्य विशेषताएं (Key Features):

- कृषि की शुरुआत: गेहूं, जौ, चावल जैसे अनाजों की खेती शुरू हुई।
- पशुपालन: बकरी, भेड़, गाय जैसे जानवरों को पालतू बनाया गया।
- स्थायी जीवन: लोग गाँवों में स्थायी रूप से रहने लगे। मिट्टी के बने घरों के प्रमाण मिले हैं।
- औजार: पत्थर के औजारों को पॉलिश (**Polished**) किया जाता था, जिससे वे अधिक कारगर बनते थे। प्रमुख औजार हैं - सेल्ट (**Celt**), कुल्हाड़ी (**Axe**), और चक्की (**Grinding Stone**)।
- मिट्टी के बर्तन (**Pottery**): भोजन पकाने और अनाज के भंडारण के लिए मिट्टी के बर्तन बनाने की कला विकसित हुई।
- प्रमुख स्थल: बृजहोम (कश्मीर), मेहरगढ़ (पाकिस्तान - भारत की सीमा से सटा), चिरांद (बिहार), दाओजाली हाडिंग (असम)।



7. टेकस्ट-बेस्ड फ्लोचार्ट (पाषाण युग - पुरापाषाण का कालक्रम)

text

[मानव का उद्भव (लगभग 2-5 मिलियन वर्ष पूर्व)]

↓

===== पाषाण युग (Stone Age) की शुरुआत
=====

↓

1. पाषाण युग - पुरापाषाण (Paleolithic Age - 5,00,000 ई.पू. से 10,000 ई.पू.)

→ उप-विभाजन: निम्न → मध्य → उच्च

→ औज़ार: हस्त कुठार, फ्लेक्स, ब्लेड

→ जीवन: शिकारी-संग्राहक, खानाबदोश

→ जलवायु: हिमयुग (प्लीस्टोसीन)

↓ (हिमयुग की समाप्ति, तापमान में वृद्धि)

2. मध्यपाषाण काल (Mesolithic Age - 10,000 ई.पू. से 6,000 ई.पू.)

→ औज़ार: माइक्रोलिथ्स (सूक्ष्म पत्थर के औज़ार)

→ परिवर्तन: शिकार के साथ मछली पकड़ना, कुत्ते पालतू

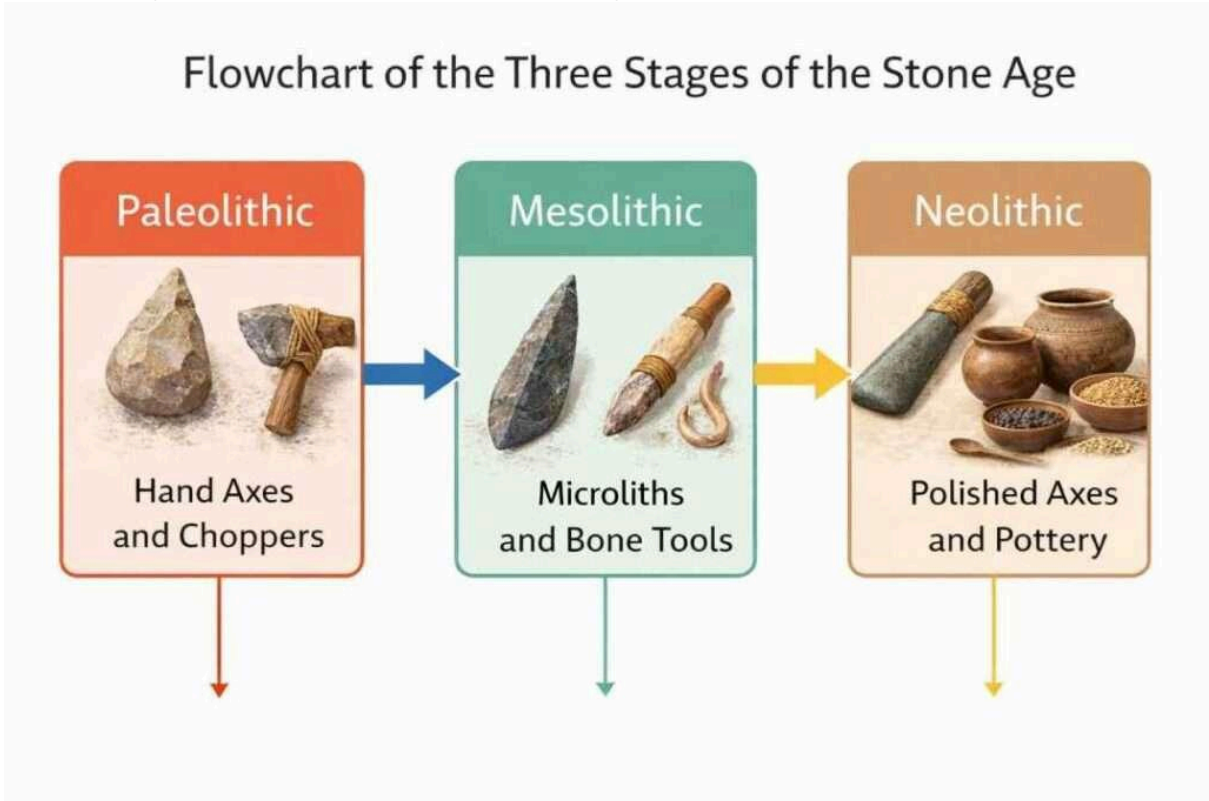
→ कला: शैलचित्रों का उत्कर्ष (भीमबेटका)

↓ (नवपाषाण क्रांति - खेती की शुरुआत)

3. नवपाषाण काल (Neolithic Age - 6,000 ई.पू. से 1,000 ई.पू.)

- औजार: पॉलिश किए हुए पत्थर के औजार (सेल्ट, चक्की)
- क्रांति: कृषि और पशुपालन का प्रारंभ (खाद्य उत्पादक)
- स्थापत्य: स्थायी ग्रामीण बस्तियाँ, मिट्टी के बर्तन

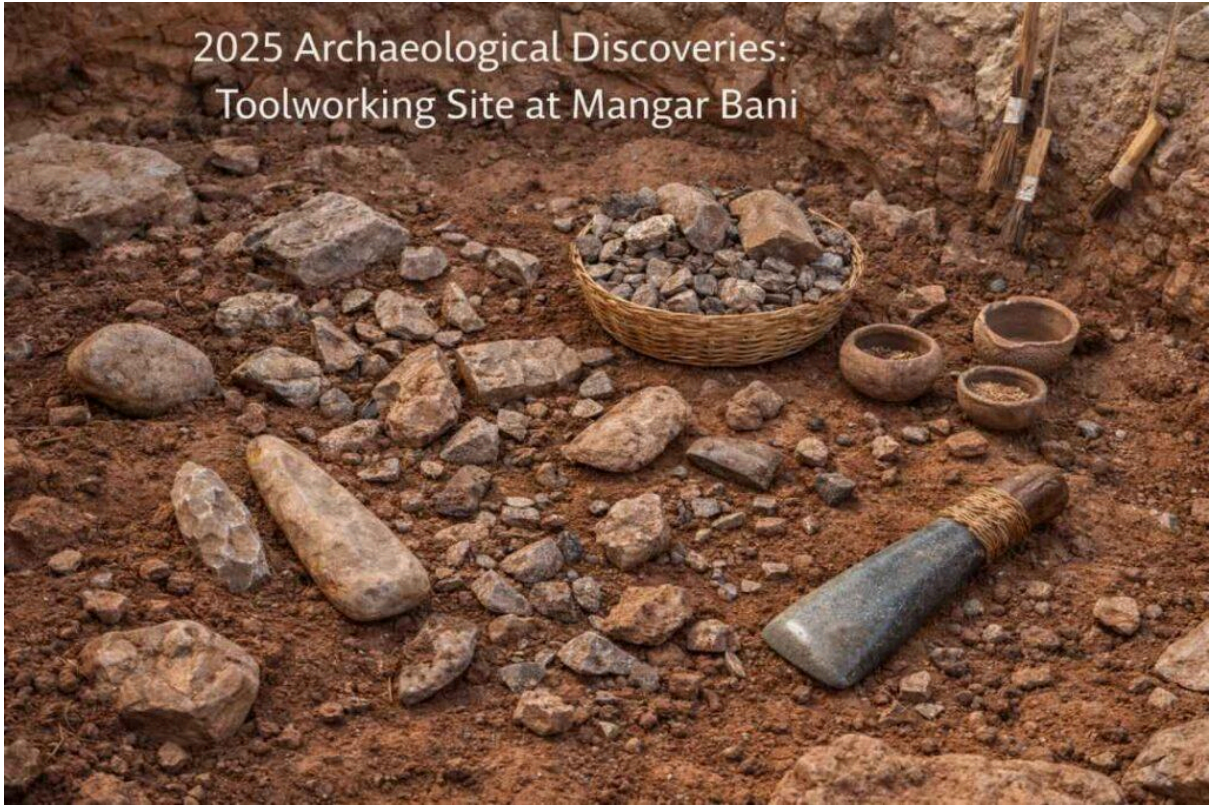
↓ (धातुओं की खोज - ताम्रपाषाण काल / कांस्य युग का प्रारंभ)



8. वर्तमान प्रासंगिकता (Current Relevance) - हालिया पुरातात्विक खोजें

हाल ही में (वर्ष 2025) की गई कुछ प्रमुख पुरातात्विक खोजें पाषाण युग के अध्ययन को नई दिशा दे रही हैं:

- 5 लाख साल पुरानी कार्यशाला (मंगर बानी, दिल्ली/हरियाणा): यहाँ पाँच लाख साल पुरानी (निम्न पुरापाषाण काल) एक विशाल औजार-निर्माण कार्यशाला मिली है। यह उत्तरी भारत में अब तक की सबसे पुरानी और बड़ी खोजों में से एक है।
- नवपाषाण बस्ती (दाओजाली हाडिंग, असम): वर्ष 2025 में असम के दाओजाली हाडिंग में एक नवपाषाण बस्ती की पुष्टि हुई है। यहाँ भट्ठी (Furnace) और लोहे का स्लैग (Iron Slag) मिलने से पता चलता है कि इस क्षेत्र में लगभग 2,700 वर्ष पहले धातुकर्मीय गतिविधियाँ प्रारंभ हो गई थीं।
- प्रागैतिहासिक शैलचित्र (कडप्पा, आंध्र प्रदेश): यहाँ मल्लुगानी गावी नामक गुफा में पाषाण युग के एक आदिमानव द्वारा बनाए गए जानवरों और मानवों के रेखाचित्र मिले हैं।



9. UPSC पिछले वर्षों के प्रश्न (Previous Year Questions)

प्रारंभिक परीक्षा (Prelims) - उदाहरण:

1. प्रश्न (UPSC Prelims 2021): निम्नलिखित युगों पर विचार कीजिए:
(a) पुरापाषाण काल - हस्त कुठार (Handaxe)
(b) मध्यपाषाण काल - माइक्रोलिथ्स (Microliths)
(c) नवपाषाण काल - पॉलिश किए गए औजार (Polished tools)
उपरोक्त में से कितने युग सही सुमेलित हैं?
 - (A) केवल एक
 - (B) केवल दो
 - (C) सभी तीन ✓
 - (D) कोई नहीं
2. प्रश्न (UPSC Prelims 2018): भीमबेटका के शैलाश्रय (Rock Shelters) किसके लिए प्रसिद्ध हैं?
 - (A) विशाल मूर्तियाँ
 - (B) प्रागैतिहासिक शैलचित्र ✓
 - (C) प्राचीन मंदिर
 - (D) बौद्ध स्तूप

Questions on Stone Age Asked in UPSC Preliminary Exam

Year	Question	Options	Answer
1992	Which one of the following is correct about the Neolithic age?	(a) Use of animal bones (b) Use of fire (c) Beginning of agriculture	(c)
2009	Which one of the following describes a sites of the Harappan culture?	(a) The Paleolithic (b) The Mesolithic (c) The Neolithic (d) The Chalcolithic	(d)
2012	Bhimbetka Petroglyphs, an archaeological site, is located in	(a) Odisha (b) Chhattisgarh (c) Madhya Pradesh (d) Maharashtra <i>*Bhimbetka is famous for Paleolithic cave paintings</i>	(c)
2020	Consider the following statements: (1) The oldest known rock-cut architecture is found in Bihar and Madhya Pradesh.	(a) 1 only (b) 2 only (c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2	(a)

मुख्य परीक्षा (Mains) - उदाहरण:

प्रश्न (UPSC Mains, General Studies-I, पिछले वर्ष):

"नवपाषाण क्रांति को मानव इतिहास का सबसे बड़ा मोड़ क्यों माना जाता है? पुरापाषाण काल से नवपाषाण काल तक की यात्रा में आए आर्थिक और सामाजिक परिवर्तनों की विवेचना कीजिए।" (15 अंक)

10. उत्तर लेखन युक्तियाँ (Answer Writing Points for Mains)

मुख्य परीक्षा के उत्तर में आप निम्नलिखित बिंदुओं का उपयोग कर सकते हैं:

1. आर्थिक परिवर्तन: खाद्य संग्रह (Food-gathering) से खाद्य उत्पादन (Food-producing) की ओर बदलाव।
2. तकनीकी विकास: खुरदरे हस्त कुठार से लेकर पॉलिश किए गए सेल्ट्स और सूक्ष्म माइक्रोलिथ्स का विकास।
3. सामाजिक संरचना: खानाबदोश जीवनशैली से स्थायी ग्रामीण समुदायों (Sedentary village communities) का उदय।
4. सांस्कृतिक विकास: नवपाषाण काल में मिट्टी के बर्तनों (Pottery) और नियोजित आवासों (Planned dwellings) का प्रमाण।
5. हालिया खोजें (**Current Connect**): मंगर बानी (निम्न पुरापाषाण) और दाओजाली हाडिंग (नवपाषाण) जैसे नए पुरातात्विक साक्ष्यों का उल्लेख।
6. भौगोलिक संदर्भ: विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों (जैसे, कश्मीर का बुर्जहोम, दक्षिण का हुंसगी) में अलग-अलग विकास दर को समझना।

11. अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

प्रश्न 1: पुरापाषाण और मध्यपाषाण काल में मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर: पुरापाषाण काल (5,00,000 - 10,000 ई.पू.) में खुरदरे, बड़े पत्थर के औजार (हस्त कुठार) और हिमयुगीय जलवायु थी, जबकि मध्यपाषाण काल (10,000 - 6,000 ई.पू.) में सूक्ष्म पत्थर के औजार (माइक्रोलिथ्स) विकसित हुए, जलवायु गर्म हुई और शैलचित्रों का उत्कर्ष हुआ।

प्रश्न 2: पाषाण युग के अध्ययन के लिए कौन से स्रोत सबसे महत्वपूर्ण हैं?

उत्तर: चूँकि यह एक प्रागैतिहासिक काल है, इसमें लिखित स्रोत उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए, पुरातात्विक स्रोत (**Archaeological sources**) जैसे पत्थर के औजार, हड्डियाँ, शैलचित्र और उत्खनन से प्राप्त अवशेष ही एकमात्र आधार हैं।

प्रश्न 3: नवपाषाण काल को 'क्रांति' क्यों कहा जाता है?

उत्तर: इसे 'नवपाषाण क्रांति' इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस काल में मानव ने कृषि करना और पशुपालन करना शुरू किया। इस एक बदलाव ने पूरी मानव जीवनशैली को बदल कर रख दिया - मनुष्य खानाबदोश से स्थायी हो गया, जनसंख्या बढ़ी, और सभ्यता की नींव पड़ी।

12. निष्कर्ष (Conclusion)

पाषाण युग, विशेष रूप से पुरापाषाण काल, मानव सभ्यता की निर्माण-प्रक्रिया का सबसे लंबा और महत्वपूर्ण अध्याय है। यह वह समय था जब एक सामान्य प्राणी ने औजार बनाना, आग का उपयोग करना, और फिर खेती करना सीखा। इस युग के अध्ययन से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि मानव ने कैसे प्रकृति पर निर्भरता से निकलकर उस पर नियंत्रण पाना शुरू किया। UPSC के लिहाज से, यह विषय केवल तथ्यों का संकलन नहीं, बल्कि मानव विकास के उस दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य (Long-term perspective) को समझने की कुंजी है, जिससे हम वर्तमान सामाजिक और आर्थिक संरचनाओं के विकास को समझ सकते हैं। हालिया पुरातात्विक खोजें लगातार हमारे इस ज्ञान में नए आयाम जोड़ रही हैं।

About Author

MD Afjal Ansari

MD Afjal Ansari एक BCA स्नातक हैं और पिछले 4 वर्षों से UPSC Civil Services Examination की तैयारी कर रहे हैं। उनका वैकल्पिक विषय लोक प्रशासन (Public Administration) है। एक सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से होने के नाते, वे प्रौद्योगिकी और शासन के प्रतिच्छेदन को गहराई से समझते हैं। वे UPSC उम्मीदवारों के लिए गुणवत्तापूर्ण हिंदी नोट्स और रणनीति साझा करने के लिए समर्पित हैं, ताकि जटिल विषयों को सरल और प्रभावी तरीके से समझाया जा सके।

[इतिहास की समझ और अध्ययन के स्रोत](#)

